वीरांगना रानी दुर्गावती की गौरव-गाथा

बुधपाल सिंह ठाकुर 'वनराज'

खड्ग चलाए दोई हाथ हो, गढ़ मंडला की रानी।
मुगलों के काटे माथ हो, गढ़ मंडला की रानी॥
कहाँ तुम्हारो जन्म भयो है-2 कहलात हो, गढ़ मंडला की रानी॥ 1॥
राठ-महोवा जन्म भयो-2
पंद्रह सौ चौबीस कहात हो, गढ़ मंडला की रानी॥ 2॥
कौन तिथी है जन्म तुम्हारी-2 कौन नाम कहलात हो, गढ़ मंडला की रानी॥ 3॥
अश्विनी सुदी अष्टमी तिथि है-2
दुर्गा नाम कहाय हो, गढ़ मंडला की रानी॥ 4॥
कौन तुम्हारे पूज्य पिता हैं-2 कौन तुम्हारी माय हो, गढ़ मंडला की रानी॥ 5॥
राजा कीरत नाम पिता को-2
रानी कमलावती माय हो, गढ़ मंडला की रानी॥ 6॥
कौन तुम्हारी बाल सहेली-2
कौन देवि आराध्य हो, गढ़ मंडला की रानी॥ 7॥
बाल सखी है राम चिरैया-2
देवि मनिया आराध्य हो, गढ़ मंडला की रानी॥ 8॥
मनियागढ़ खेलन शिकार गई-2
राजा दलपति मन भाए हो, गढ़ मंडला की रानी॥ 9॥
व्याह हुआ राजा दलपति से-2
दुर्गा रानी कहाई हो, गढ़ मंडला की रानी॥ 10॥
संग्रामशाह बावन गढ़ जीते-2
उनकी बहुआ कहाई हो, गढ़ मंडला की रानी॥

गोंडवाना अस्सी कोस है चौड़ा-2

डेढ़ सौ कोस लम्बान हो, गढ़ मंडला की रानी॥ 12॥

दुर्गा-दलपति राज करत हैं-2

पुत्र-रत्न सुख पाए हो, गढ़ मंडला की रानी॥ 13॥

असमय निधन भयो राजा को-2

बेटा को राजा बनाए हो, गढ़ मंडला की रानी॥ 14॥

राजा गढ़ मंडला तीन बरस के-2

आप सँभाले राज हो, गढ़ मंडला की रानी॥ 15॥

ताल-तलैया, कुआँ-बावड़ी-2

मंदिर खूब बनाए हो, गढ़ मंडला की रानी॥ 16॥

प्रजा सुखी थी राज में तुम्हरे-2

धर्म-ध्वजा फहराए हो, गढ़ मंडला की रानी॥ 17॥

गोंडवाना की देख संपदा-2

मुगलों-पठान चढ़े आए हो, गढ़ मंडला की रानी॥ 18॥

पहले आयो बाज़ बहादुर-2

उसको मार भगाए हो, गढ़ मंडला की रानी॥ 19॥

अकबर मुग़ल ने भेजो संदेशो-2

धौरो हाथी मँगात हो, गढ़ मंडला की रानी।।20॥

महिला का काम न राज करन को-2

महलों में मौज मनाओ हो, गढ़ मंडला की रानी॥ 21॥

रानी के तन-मन अगन जो लग गई-2

तुरत संदेशो भिजाए हो, गढ़ मंडला की रानी॥ 22॥

कान खोल के सुनले रे अकबर-2

यहाँ न चले तेरी चाल हो, गढ़ मंडला की रानी॥ 23॥

पूँछ का बाल मिले न तुझको-2

हाथी की छोड़ तू बात हो, गढ़ मंडला की रानी॥ 24॥

गोंडवाना झुके न तेरे सामने-2

जब तक तन में प्राण हो, गढ़ मंडला की रानी॥ 25॥

तुम का राज करत हो अकबर-2

बैठ के पींजन चलाओ हो, गढ़ मंडला की रानी॥ 26॥

कड़ा-मानिकपुर अकबर पहुँचा-2

आसफ़ को समझात हो, गढ़ मंडला की रानी॥ 27॥

सेना लेकर जाओ गढ़ा को-2

रानी का काटो माथ हो, गढ़ मंडला की रानी॥ 28॥

छापामार युद्ध लड़ी रानी-2

आसफ खाँ को भगाये हो, गढ़ मंडला की रानी॥ 29॥

मुँह की खाकर फिर वो आयो-2

ताकत दूनी बढ़ाये हो, गढ़ मंडला की रानी॥ 30॥

छपक-छपक तलवारें चल रहीं-2

मुगलों के छक्के छुड़ाये हो, गढ़ मंडला की रानी॥ 31॥

नाला नरई रणक्षेत्र बनो है-2

तलवार चले दोई हाथ हो, गढ़ मंडला की रानी॥ 32॥

सरमन हाथी चढ़ महारानी-2

रणचंडी सी दिखाए हो, गढ़ मंडला की रानी॥ 33॥

गनू महावत संग में उनके-2

मुग़लों को कुचलत जात हो, गढ़ मंडला की रानी॥ 34॥

मुग़ल सेना में भगदड़ मच गई-2

सेना गोंडी चढ़ी जात हो, गढ़ मंडला की रानी॥ 35॥

रानी की कनपटी तीर धँसो है-2

तनिक नहीं घबरात हो, गढ़ मंडला की रानी॥ 36॥

दूजो तीर धँसो गर्दन में-2

तीर खींचा खुद हाथ हो, गढ़ मंडला की रानी॥ 37॥

जय दुर्गा, जय चंडी माई-2

सेना गोंडी चिल्लात हो, गढ़ मंडला की रानी॥ 38॥

घायल सरमन गिरो जमीं पर-2

रानी की लाज बचात हो, गढ़ मंडला की रानी॥ 39॥

चौबीस जून पंद्रह सौ चौंसठ-2

रानी स्वर्ग को जात हो, गढ़ मंडला की रानी॥ 40॥

अमर हुई दुर्गा महारानी-2

रानी गोंडवाना कहाये हो, गढ़ मंडला की रानी॥ 41॥

ठाँव बरेला तीरथ बन गयो-2

जन कोटि वहाँ पर जात हो, गढ़ मंडला की रानी॥ 42॥

देख समाधि रानी माँ की-2

वीर भाव मन आत हो, गढ़ मंडला की रानी॥ 43॥

फरकन लगत बखौरा सबके 2

सहज मूठ बँध जात हो, गढ़ मंडला की रानी॥ 44॥

जय दुर्गाजय दुर्गावती रानी-2

चारों ओर सुनाय हो, गढ़ मंडला की रानी॥ 45॥

गोंडवाना की शान बढ़ा गई-2

'वनराज' गाए गान हो, गढ़ मंडला की रानी ॥ 46॥